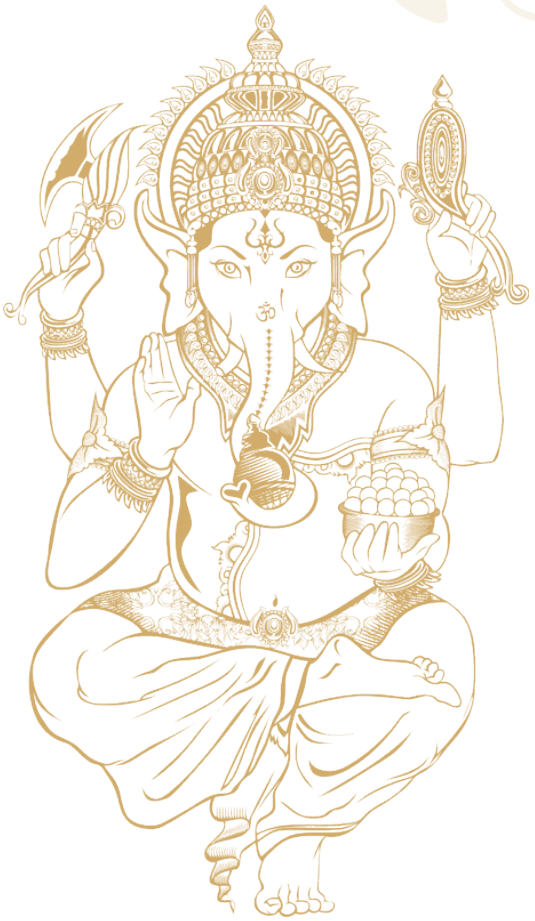

Js

08 Jul 1947

03:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120987102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/07/1947**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	55:02:45 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:36 घंटे
साम्पातिक काल	22:08:58 घंटे
सूर्योदय	05:28:53 घंटे
सूर्यास्त	19:22:38 घंटे
दिनमान	13:53:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:48:12 मिथुन
लग्न के अंश	23:32:03 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:32:03	355:49:04	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	---
सूर्य			मिथु	21:48:12	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			कुंभ	10:53:29	12:07:59	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	11:40:00	00:42:13	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	सम राशि
बुध	व	अ	कर्क	02:25:36	00:27:45	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		तुला	24:40:13	00:01:28	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	06:05:31	01:13:13	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			कर्क	15:40:50	00:07:17	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	08:29:12	00:06:00	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	08:29:12	00:06:00	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मिथु	00:12:32	00:03:22	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
नेप			कन्या	14:59:40	00:00:35	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			कर्क	19:00:17	00:01:37	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	07:02:01	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:07:12

लग्न-चलित

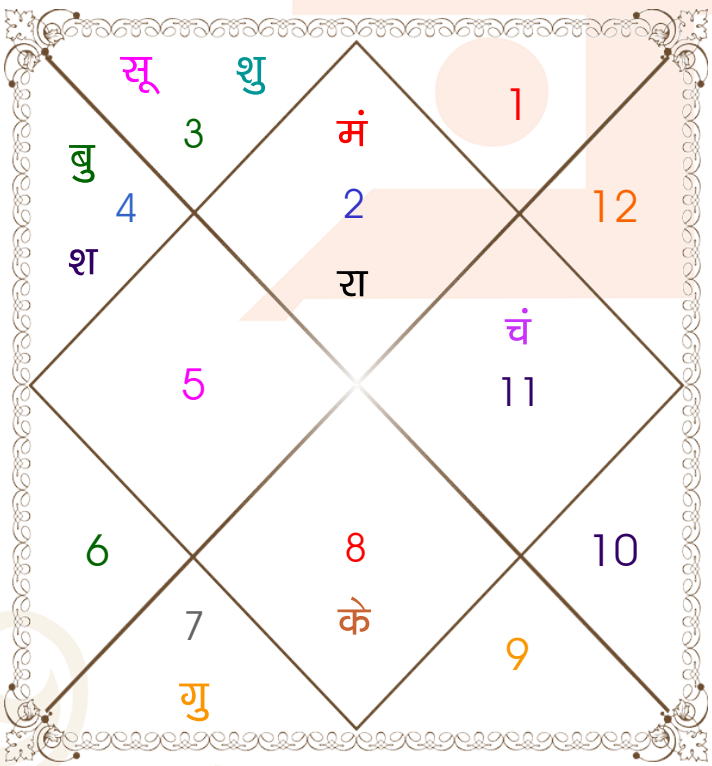

चन्द्र कुंडली

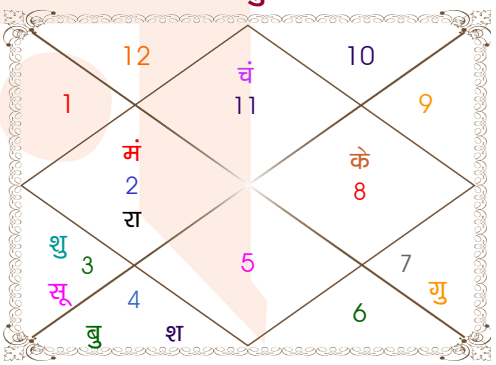

नवमांश कुंडली

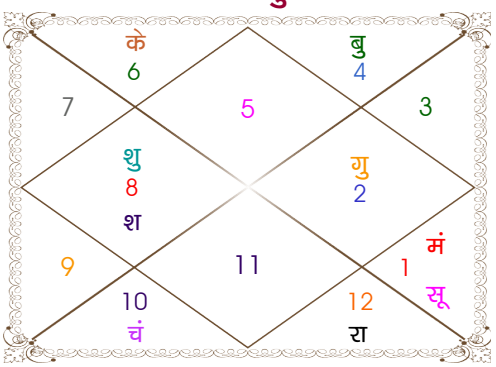

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 3 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/07/1947		24/10/1959		24/10/1975		24/10/1994		24/10/2011	
24/10/1959		24/10/1975		24/10/1994		24/10/2011		24/10/2018	
	00/00/0000	गुरु	11/12/1961	शनि	27/10/1978	बुध	21/03/1997	केतु	21/03/2012
	08/07/1947	शनि	23/06/1964	बुध	06/07/1981	केतु	19/03/1998	शुक्र	21/05/2013
शनि	05/10/1949	बुध	29/09/1966	केतु	15/08/1982	शुक्र	16/01/2001	सूर्य	26/09/2013
बुध	24/04/1952	केतु	05/09/1967	शुक्र	14/10/1985	सूर्य	23/11/2001	चंद्र	27/04/2014
केतु	12/05/1953	शुक्र	06/05/1970	सूर्य	26/09/1986	चंद्र	24/04/2003	मंगल	23/09/2014
शुक्र	12/05/1956	सूर्य	22/02/1971	चंद्र	27/04/1988	मंगल	21/04/2004	राहु	12/10/2015
सूर्य	06/04/1957	चंद्र	23/06/1972	मंगल	05/06/1989	राहु	08/11/2006	गुरु	17/09/2016
चंद्र	05/10/1958	मंगल	30/05/1973	राहु	11/04/1992	गुरु	13/02/2009	शनि	27/10/2017
मंगल	24/10/1959	राहु	24/10/1975	गुरु	24/10/1994	शनि	24/10/2011	बुध	24/10/2018

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/10/2018		24/10/2038		23/10/2044		24/10/2054		23/10/2061	
24/10/2038		23/10/2044		24/10/2054		23/10/2061		00/00/0000	
शुक्र	22/02/2022	सूर्य	10/02/2039	चंद्र	24/08/2045	मंगल	22/03/2055	राहु	06/07/2064
सूर्य	22/02/2023	चंद्र	12/08/2039	मंगल	25/03/2046	राहु	08/04/2056	गुरु	29/11/2066
चंद्र	23/10/2024	मंगल	18/12/2039	राहु	24/09/2047	गुरु	15/03/2057	शनि	08/07/2067
मंगल	23/12/2025	राहु	10/11/2040	गुरु	23/01/2049	शनि	24/04/2058		00/00/0000
राहु	23/12/2028	गुरु	30/08/2041	शनि	24/08/2050	बुध	21/04/2059		00/00/0000
गुरु	24/08/2031	शनि	12/08/2042	बुध	23/01/2052	केतु	17/09/2059		00/00/0000
शनि	24/10/2034	बुध	18/06/2043	केतु	23/08/2052	शुक्र	17/11/2060		00/00/0000
बुध	24/08/2037	केतु	24/10/2043	शुक्र	24/04/2054	सूर्य	24/03/2061		00/00/0000
केतु	24/10/2038	शुक्र	23/10/2044	सूर्य	24/10/2054	चंद्र	23/10/2061		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।